

परिशेष वि. (तत्.) 1. अवशिष्ट, शेष बचा हुआ पुं.
1. बचा हुआ अंश 2. परिशिष्ट 3. अंत, समाप्त।

परिशोध पुं. (तत्.) 1. पूर्ण शुद्धि 2. ऋण शुद्धि, ऋण चुकाना 3. किसी से बदला चुकाना 4. उपकार के बदले किया जाने वाला उपकार, प्रतिशोध।

परिशोधन पुं. (तत्.) 1. पूरी तरह शुद्ध या स्वच्छ किया जाना, सम्यक् रीति से शुद्ध करना 2. कर्ज चुकाना।

परिश्रम पुं. (तत्.) 1. उद्यम, मेहनत, श्रम, शारीरिक या मानसिक श्रम 2. कलांति, क्लेश, थकान।

परिश्रमण पुं. (तत्.) घेरना, परिवेष्टित करना, आवेष्टित करना।

परिश्रमी वि. (तत्.) 1. अत्यधिक श्रम करने वाला, उद्यमी, श्रमशील।

परियम पुं. (तत्.) 1. आश्रय, पनाह-स्थल, शरण-स्थली 2. सभा।

परिश्रान्त वि. (तत्.) थका हुआ, श्रमित, कलांतियुक्त, थका-माँदा।

परिश्रान्ति स्त्री. (तत्.) थकान, कलांति, परिश्रान्त होने का भाव।

परिश्रित वि. (तत्.) 1. आश्रयदाता पुं. कपड़े का पर्दा, चिक, झीने आवरण की दीवार 2. यज्ञ में प्रयुक्त किया जाने वाला एक पत्थर 3. आश्रय, पनाह।

परिश्रुत वि. (तत्.) 1. विख्यात, प्रसिद्ध, मशहूर, ख्याति लब्ध 2. जिसके विषय में खूब सुना गया हो, जो जान लिया गया हो।

परिश्लेष पुं. (तत्.) आलिंगन, गले मिलना, गले लगाना।

परिषद् स्त्री. 1. विद्वत् समाज, विद्वानों की वह सभा जिसमें मिलकर किसी भी दिशा, क्षेत्र या अनुशासन संबंधी विचार-विमर्श होते हैं, कार्य किए जाते हैं और निर्णय लिए जाते हैं 2. सभा, चारों ओर से घेरा बनाकर बैठना या बैठने वाले 3. समाज, समूह, समुदाय 4. विद्या प्राप्त करने का स्थान, विद्या प्रदान करने वाली संस्था जैसे- भारतीय अनुवाद परिषद 5. किसी

विषय विशेष पर चर्चा परिचर्चा करके निर्णय देने वाली सभा पुं. 1. सभासद, सदस्य, परिषद का सदस्य 2. दर्शक, प्रेक्षक जैसे- विधायक परिषद्।

परिषिक्त वि. (तत्.) 1. सिंचित, जिसे सींचा गया हो 2. जिस पर जल या दवा आदि का छिड़काव किया गया हो।

परिषीवण पुं. (तत्.) 1. वस्त्र आदि को सीना 2. गाँठ देना जैसे- जूते गाँठना 3. गाँठ लगाना, बाँधना जैसे- जूते बाँधना, तसमों की गाँठ लगाना।

परिषेक पुं. (तत्.) 1. सिंचाई, पानी से तर करना 2. स्नान 3. छिड़काव।

परिषेचक वि. (तत्.) 1. सींचने वाला 2. छिड़कने वाला।

परिषेचन पुं. (तत्.) 1. तर करना, सिंचित करना, सींचना 2. छिड़कने की क्रिया।

परिष्कंद पुं. (तत्.) 1. माता-पिता के अतिरिक्त किसी अन्य द्वारा पाला-पोसा गया बच्चा, परिपोषित संतान 2. नौकर, सेवक, परिचारक, पार्श्व रक्षक।

परिष्कण्ण वि. (तत्.) दूसरों के द्वारा पालित-पोषित, परपोषित पुं. दे. परिष्कंद।

परिष्कर पुं. (तत्.) सजावट, शृंगार, सज्जा।

परिष्करण पुं. (तत्.) 1. संस्कार, परिष्कार, शुद्धिकरण 2. साफ करने या सुंदर बनाने की क्रिया या भाव।

परिष्करणी स्त्री. (तत्.) ऐसा स्थान या कारखाना जहाँ यंत्रों या मशीनों से तेल, धातु या अन्य पदार्थों का मैल या दूषण निकालकर शुद्ध किया जाता है।

परिष्कार पुं. (तत्.) 1. संस्कार, सफाई, शुद्धि 2. निर्मलता, स्वच्छता 3. अलंकार, गहना, भूषण, जेवर 4. सजावट, शोभा, सिंगार 5. बौद्धर्शन के अनुसार 'संयम' 6. पकाने का कार्य, भोजन पकाना 7. उपकरण, यंत्र 8. सामान, उपस्कर 9. साफ या शुद्ध करने की क्रिया।